PRATHAM BOOKS
A Book in Every Child's Hand

पठन स्तर ३

अंतरिक्ष में गुल

Author: Richa Jha
Illustrator: Lavanya Karthik
Translator: Meera Hadap

अाहा! कल जन्मदिन है मेरा
चलिए मिलकर मनाएँ,
काश कि सूरज, चंदा, तारे सारे
मुझसे मिलने आएँ।

सुबह आँख खुली जब मेरी,
उड़ गए मेरे होश!
खिड़की पर एक खड़ा था रॉकेट
भर कर पूरा जोश!

इंजन में थी आग जल रही,
मेरा सामान तैयार बिल्कुल।
फुर्रर्र से ऊपर उड़ चली,
मैं, अंतरिक्ष यात्री मैडम गुल!

डर से मेरा चकराए भैया,
बिल्ली मेरी काँपे।
पलभर में ही निकल गए,
हम आसमान से आगे।

छः घंटे उड़ने के बाद,
पहुँच गए स्पेस स्टेशन।
अंतरिक्ष में यह घर देख,
ख़ुश हो गया मन!

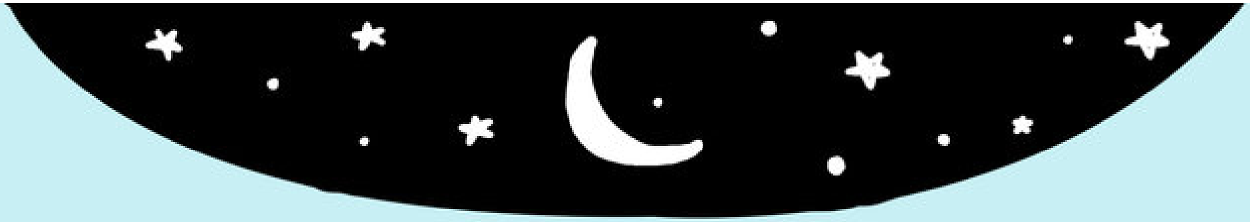

टॉइंग!! मैंने छलाँग मारी,
लगा टाँगें गईं किधर?
उलट-पलट करते-करते,
खड़े हो गए हम सिर पर!

फिर लगा जैसे तैर रहे हम,
कभी दाएँ तो कभी बाएँ।
सोचा सीधे चलें,
पर कुछ भी सीधा ना हो पाए!

पलट गया मेरा थैला,
बाहर गिर गईं दो जलेबी।
समोसे ही क्यों रहते पीछे,
बाहर गिर गए वे भी!

गिरते-भिड़ते टूट गए सब,
टिप-टिप टपका रस।
अब से स्पेस फ़ूड लाऊँगी
पैकेट लेबल करके, बस।

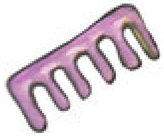

चिप-चिप हो गए बाल मेरे,
कपड़े सब रस से गए सन।
बिल्ली तो रस चाट रही है,
पर नहाने का हो रहा मन।

पर राज़ की बात तो ये है कि,
अन्तरिक्ष में नहीं है नलका।
इसलिये तौलिया गीला करके,
चेहरा पोंछ लिया है, हल्का।

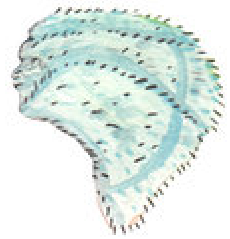

शैम्पू डालकर बालों में
मैंने मला है अन्दर तक।
रगड़ के उनको पोंछ लिया,
चमक गये वो चका-चक!

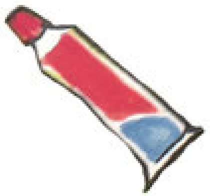
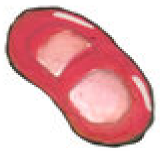

मैंने स्पेस सूट पहन लिया,
क्यों ना ये ख़ास दिन मनाएँ।
आइए मस्ती कर लें थोड़ी,
सैर तो करके आएँ।

मैंने धीमे-धीमे कदम बढ़ाया,
डर से हालत ढीली हो गई।
ना आवाज़, ना रोशनी, ठंड ही ठंड
शुक्र है, दीवारों से हूँ जुड़ी हुई।

तारें हैं चम-चम चमक रहे,
लगते बड़े और कितने पास।
लगा कह रहे चंदा मामा,
'गुल मुबारक जन्मदिन खास!'

अब अन्दर जाती हूँ फिर से,
कर लूँ थोड़ा आराम।
कर अन्तरिक्ष की सैर, मैं थक गई;
डर लगा, पर रहेगा याद।

ये होगा मेरा बिस्तर,
चलूँ सोने की करूँ तैयारी।
अब अन्दर घुसकर, ख़ुद को कसकर
बाँधने की है बारी।

सोने में क्यों समय गँवाना
झटपट ही मैं उठ गई।
सोचा दाँत साफ़ मैं कर लूँ
अरे, मैं टूथपेस्ट गटक गई!

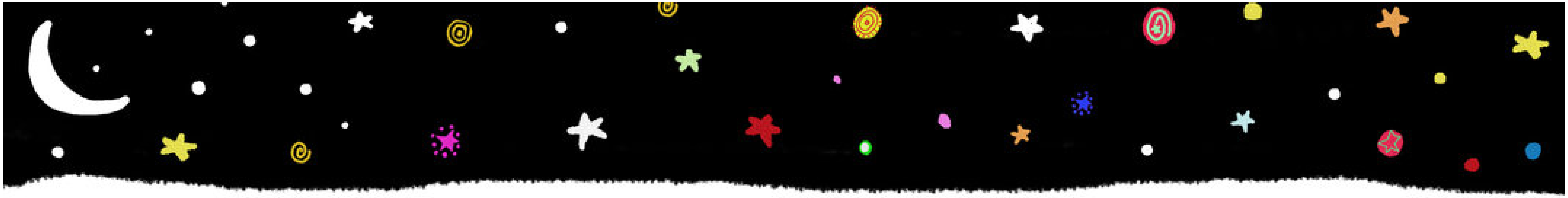

मन हुआ अम्मी से बातें करूँ,
झट से लैपटॉप लगाया।
"कौन है," वे ज़ोर से बोलीं
"अंतरिक्ष से गुल," मैंने बताया।

कितनी बातें करने को थीं-
जो जादू नज़र थे आते,
पृथ्वी कितनी दूर है दिखती,
स्पेस स्टेशन की मज़ेदार बातें!

दो महीने रही वहाँ मैं,
अब समय है वापिस आने का।
एक बच्चे की आवाज़ सुनी
जिसका मन है चाँद पे जाने का।

अगर वो आप हैं, हाथ उठाइये
और चलने की करिए तैयारी।
मैं और बिल्ली लौट रहे हैं,
और अब है आपकी बारी।

क्या आप जानते हैं?

- अन्तरिक्ष में जाने के लिए आपको एक रॉकेट में बैठना पड़ता है। वैसे तो रॉकेट कई तरह के होते हैं, पर जिसमें गुल और उसकी बिल्ली बैठकर अन्तरिक्ष में गए वह सबसे आम क़िस्म का रॉकेट है। रॉकेट उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आई एस एस) ले गया, जो दो महीनों के लिए अन्तरिक्ष में गुल का घर बन गया। जब आई एस एस से वापिस पृथ्वी पर लौटना होता है तब सोयुज़ नाम के एक अंतरिक्ष यान का इस्तेमाल किया जाता है।

- पृथ्वी से आई एस एस तक अंतरिक्ष यान जाते हैं जो अंतरिक्ष यात्रियों के लिए ख़ास तौर पर बंद किया गया खाना, पानी और बाक़ी वो सभी चीज़ें ले जाते हैं जिनकी उन्हें वहाँ ज़रूरत होती है। गुल को स्पेस स्टेशन के अन्दर पानी बहुत ध्यान से इस्तेमाल करना होगा। वहाँ पानी की हर बूँद क़ीमती होती है।

- गुल और आई एस एस के अन्दर की बाक़ी सभी वस्तुयें गुब्बारों की तरह हवा में तैरती हैं। हर चीज़ जो पेटी से नहीं बंधी हो हवा में उड़ेगी क्योंकि अन्तरिक्ष में सभी वस्तुएँ भारहीन हो जाती हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि स्पेस स्टेशन और उसके अन्दर की सभी वस्तुएँ बहुत तेज़ गति से निरन्तर पृथ्वी की ओर गिर रही हैं। इतनी तेज़ गति से गिरने की वजह से ही तो गुल को अपना वज़न भी महसूस नहीं होता। लेकिन फिर सवाल यह है, कि यदि वे तेज़ गति से पृथ्वी की ओर गिर रहे हैं तो फिर वे धम्म्म से गिरते नज़र क्यों नहीं आते। वो इसलिए क्योंकि हमारी पृथ्वी गोल है। जैसे-जैसे आई एस एस और उसके अन्दर की सभी वस्तुएँ नीचे गिरती जाती हैं वैसे-वैसे पृथ्वी भी घूमती जाती है। इसलिए गिरते रहने पर भी वे पृथ्वी तक कभी पहुँच नहीं पातीं।

- आई एस एस में पानी के नलके नहीं हैं। जब पानी बह कर नीचे की ओर आ ही नहीं सकता तो नलकों का क्या फ़ायदा! इसलिए अपने बाल साफ़ करने के लिए गुल को एक ऐसा ख़ास शैम्पू इस्तेमाल करना पड़ता है जिसे पानी से धोने की ज़रूरत नहीं पड़ती। और तो और, वो दाँत साफ़ करते समय टूथपेस्ट गटक जाती है! अगर ग़लती से उसने पानी का थैला खुला छोड़ दिया, तो पानी की बूँदें सारे स्पेस स्टेशन में तैरने लगेंगी और आपस में मिलकर पानी का एक बड़ा सा गोला बना लेंगी।

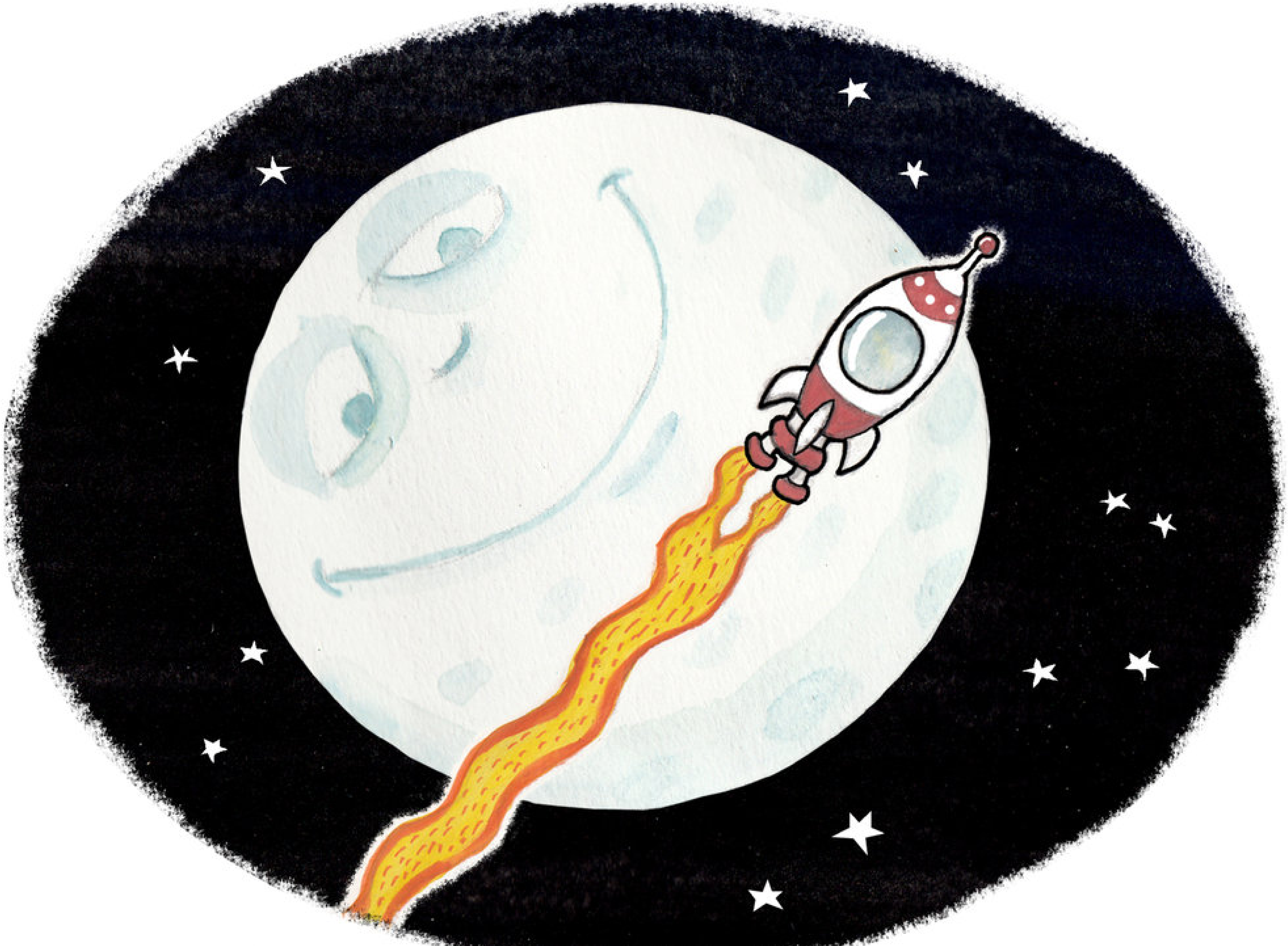

PRATHAM BOOKS
storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Story Attribution:

This story: अंतरिक्ष में गुल is translated by Meera Hadap . The © for this translation lies with Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'Gul in Space', by Richa Jha . © Pratham Books , 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

This book was first published on StoryWeaver by Pratham Books. The development of this book has been supported by Oracle. Art Director: Kaveri Gopalakrishnan

Images Attributions:

Cover page: A girl and a cat in space, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Dreaming of space, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Rocket taking off into the sky, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: A girl and a cat inside a rocket, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Space station , by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: A girl and a cat floating in space, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: A girl floating inside her space station, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: A girl upside down, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: Becoming clean, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: A girl washing her hair in space, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

ORACLE

The development of this book has been supported by Oracle.

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 11: Smiling moon, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: Floating in Space, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: Yawning girl and cat, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: A girl brushing her teeth before going to bed at night, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: A girl speaking to her parents at night, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: A boy in a wheelchair waving to a rocket in the sky by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: Stars , by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: A girl and her cat in space, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: A rocket in space, by Lavanya Karthik © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

The development of this book has been supported by Oracle.

अंतरिक्ष में गुल

(Hindi)

अपने जन्मदिन पर क्या करना चाहेंगे आप? क्यों ना अन्तरिक्ष की एक सैर कर आएँ! इस कहानी को पढ़कर आपको ख़ूब मज़ा आएगा। आप खुशी से उछल पड़ेंगे...पर याद रखियेगा, यदि उछलते समय गुरूत्व बल नहीं रहा तो आप उछल कर हवा में तैरते भी रह सकते हैं! अन्तरिक्ष की ऐसी बहुत सी मज़ेदार बातें हैं जानने वाली। एस्ट्रोनॉट गुल तो गई है उन्हें जानने। आप भी उनके साथ जाना चाहेंगे?

This is a Level 3 book for children who are ready to read on their own.

PRATHAM BOOKS
storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!